नमूना कृतिपत्रिका–1

दसवीं कक्षा : द्‌वितीय भाषा हिंदी – (संयुक्त) : लोकवाणी

समय : 2 घंटे **कुल अंक : 50**

सूचनाएँ – (1) सूचना के अनुसार गद्‌य, पद्‌य, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्‌ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्‌य : 12 अंक

प्र. 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

साधु ने जब दूर से सेठ को आते देखा, तो बहुत प्रसन्न हो गया। नगर का सबसे बड़ा करोड़पति उसके यहाँ आ रहा था। आगे-आगे सेठ और फिर डोली में बीमार सेठानी। उसने जाकर साधु के चरण पकड़ लिए – ‘‘महाराज, जैसे भी हो सेठानी को जीवनदान दीजिए। यह मेरे घर की लक्ष्मी है। इसी के कारण यह करोड़ों की संपत्ति आई है। जिस दिन से इसने मेरे यहाँ पाँव रखा है, मैंने जिस काम में हाथ लगाया, उसमें लाभ ही हुआ है। अगर इसे कुछ हो गया तो मैं किसी काम का नहीं रहूँगा।’’

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :– 2

अ	उत्तर	आ
करोड़पति	________	लक्ष्मी
बीमार	________	साधु
घर	________	सेठ
प्रसन्न	________	सेठानी
		दुनिया

(2) कृति कीजिए :– 2

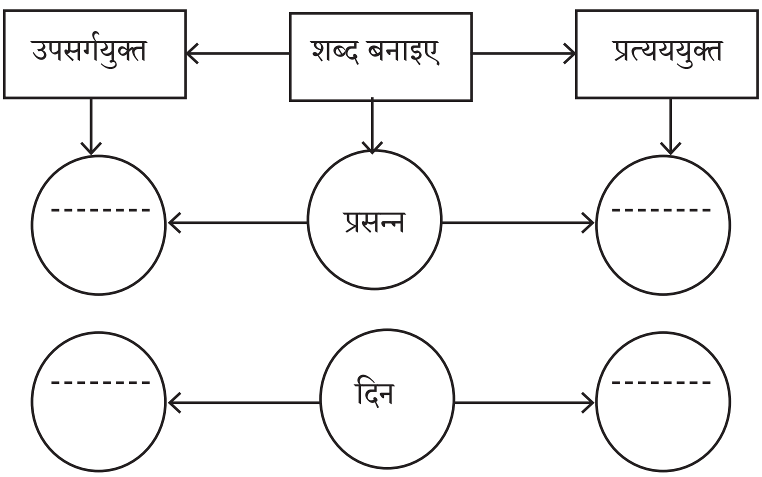

(3) ‘नारी सदैव पूजनीय है’, इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं। उन्हें देखने प्रायः उनकी दादी और कभी-कभी दादा भी प्रयाग आते रहे। तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं। ससुराल में उन्होंने बालिकावधू के रूप में पदार्पण किया था। संभ्रांत जमींदार परिवार की परंपरा के अनुसार उन्हें घंटों सिर नीचा करके एकासन बैठना पड़ता था, परिणामतः उनकी रीढ़ की हड्‌डी इस प्रकार झुक गई कि युवती होकर भी वे सीधी खड़ी नहीं हो पाती थीं।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :- 2

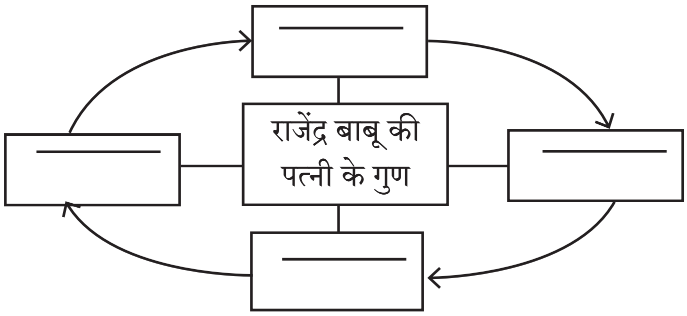

(2) लिखिए :- **2**

(i) विरुद्धार्थी शब्द :
- निकट × ----------------
- सरल × ----------------

(ii) समानार्थी शब्द :
- परिवार = ----------------
- पुत्री = ----------------

(3) 'जीवन में सादगी और संयम का महत्त्व', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 – पद्‌य : 10 अंक

प्र. 2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।
सागर का जो था मंसूबा सफल हो गया
खुशियों की दुनिया में आकर स्वयं खो गया।
धरती ने शृंगार किया, फिर माथे रोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

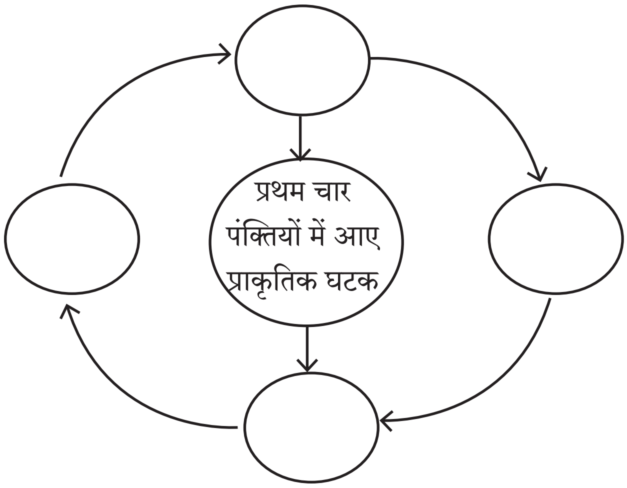

(2) पर्यायवाची शब्द लिखिए :– 1

तरु = ________ , ________

(3) 'वर्षाऋतु जीवनदायी ऋतु है', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 2 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है ।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है ।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है ।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं ।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं ।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं ।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं ।।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए :– 2

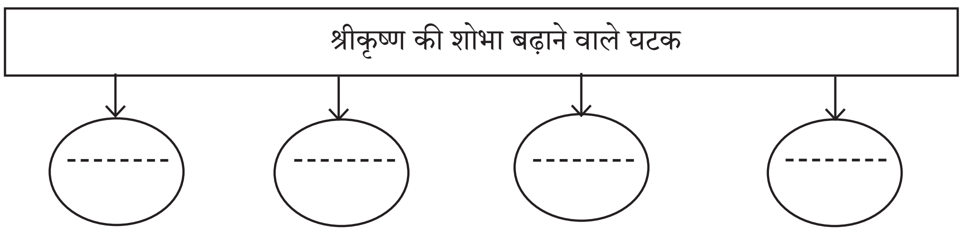

(2) निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए :– 1

(i) जिसका कोई खंड नहीं होता = ________

(ii) जिसका अंत नहीं है = ________

(3) 'सुसंस्कारों से मनुष्य का व्यक्तित्व संपन्न बनता है', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 3– भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 10 अंक

प्र. 3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

(1) सही शब्द छाँटकर लिखिए :– 1

(i) युवास्था / युवावास्था / यूववस्था / युवावस्था

(ii) वीश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय / विष्वविद्यालय

(2) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

कारण

(3) (i) कालभेद पहचानिए :– 1

वे सब उसे 'खोया हुआ आदमी' कहकर बुलाएँगे।

(ii) काल परिवर्तन कीजिए :– 1

पढ़ते–पढ़ते उसकी आँखों में आँसू आ गए। (सामान्य वर्तमानकाल)

(4) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

मन मारना

(ii) अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :– 1

(दंग रह जाना, नाक – भौं सिकोड़ना)

ताजमहल की कारीगरी देखकर लोग <u>आश्चर्यचकित होते हैं</u>।

(5) कृति पूर्ण कीजिए :– 2

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
पुस्तकालय	________	________
________	सम् + मान	________

(6) वाक्य के प्रकार पहचानिए :–

(i) इस बात के लिए ये गाँववाले जिम्मेदार हैं। (रचना के अनुसार) 1

(ii) क्या प्रसाद सिर्फ बूँदी होता है? (अर्थ के अनुसार) 1

विभाग 4– उपयोजित लेखन : 18 अंक

प्र. 4 (अ) (1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए :— 4

अभिनंदन पत्र

S.S.C. परीक्षा में विद्यालय में सर्वप्रथम स्थान पाने वाला / वाली समीर / समीरा वैद्य, अहमदनगर

अमोल / अमृता देसाई, विद्यार्थी प्रतिनिधि, आदर्श विद्या मंदिर अहमदनगर

(2) निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखिए और उसे उचित शीर्षक दीजिए :– 4

सूर्य, पुस्तक, लड़की, सफलता

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक–एक वाक्य में हों :–

ताला परिग्रह और पूँजीवाद का प्रतीक है। ताले की जरूरत पड़ती ही क्यों है? मैंने बहुत सारे साधु–संतों के दर्शन किए हैं, जिनकी कुटियों में ताला क्या, दरवाजा भी नहीं रहता। कुटी से बाहर निकलते समय बाँस या काठ का बना कोई आवरण दरवाजे पर डालकर वे चल देते हैं। यह आवरण पशुओं के लिए होता है, मनुष्यों के लिए नहीं। कुटी तुम्हारी है, सामान तुम्हारा है–चाहे रहने दो, चाहे ले जाओ और उनके यहाँ कभी चोरी नहीं होती। चोरी होती है उनके यहाँ जो परिग्रही होते हैं। यह चीज मेरी है, इसी से पूँजीवाद का आरंभ होता है। मनुष्य अपने सुख, अपनी सुविधा, अपने आराम के लिए बटोर–सँजोकर रखता है, उसे किसी को देना नहीं चाहता।

प्र. 4 (आ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :— 4

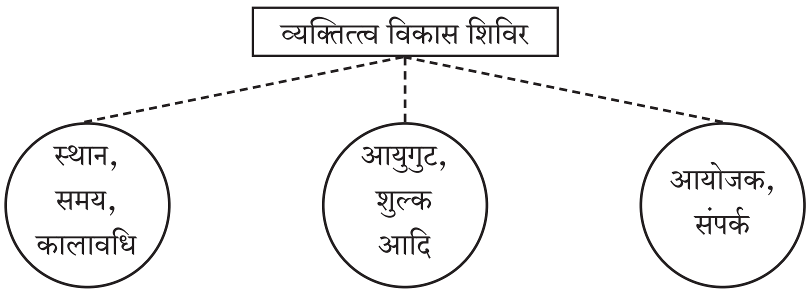

प्र. 4 (इ) किसी एक विषय पर लगभग 70 से 80 शब्दों में निबंध लिखिए :– 6

(1) मोबाइल शाप या वरदान

(2) मेरा प्रिय खिलाड़ी

****